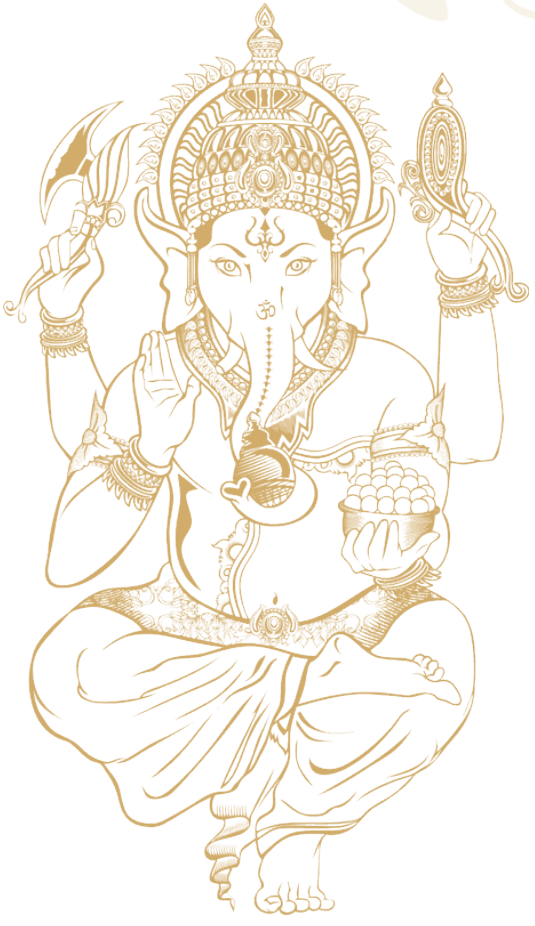

Himanshu mishra

31 Jul 2000

01:45 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121916702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-31/07/2000**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**01:45:00 घंटे**
इष्ट	49:47:06 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:18:20 घंटे
वेलान्तर	-00:06:25 घंटे
साम्पातिक काल	21:53:25 घंटे
सूर्योदय	05:50:09 घंटे
सूर्यास्त	19:15:32 घंटे
दिनमान	13:25:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:05:06 कर्क
लग्न के अंश	17:56:44 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्धि
करण	नाग
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	17:56:44	364:30:16	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कर्क	14:05:06	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	10:27:14	15:05:31	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	स्वराशि
मंगल		अ	कर्क	05:21:11	00:38:54	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध			मिथु	24:50:38	01:14:23	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	स्वराशि
गुरु			वृष	11:53:41	00:09:52	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	27:40:08	01:13:48	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि			वृष	05:28:32	00:04:19	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:46:07	00:00:26	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:46:07	00:00:26	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	25:26:07	00:02:20	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	11:14:20	00:01:38	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:24:33	00:00:40	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	02:14:29	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:40

लग्न-चलित

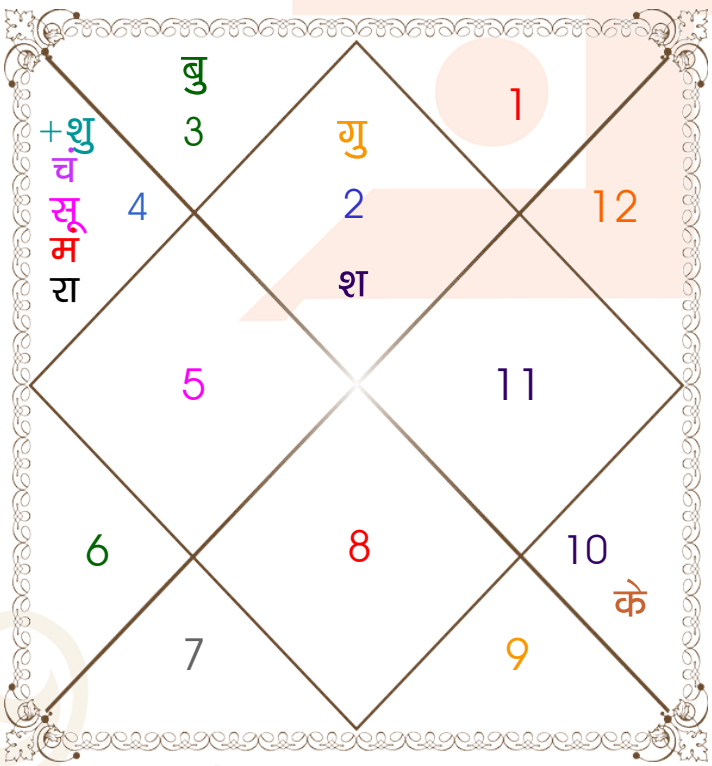

चन्द्र कुंडली

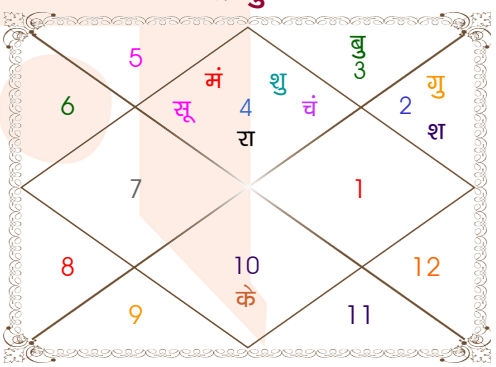

नवमांश कुंडली

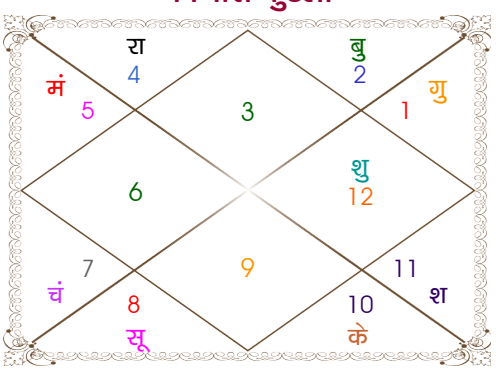

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 10 मास 7 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/07/2000		07/06/2009		07/06/2026		07/06/2033		07/06/2053	
07/06/2009		07/06/2026		07/06/2033		07/06/2053		08/06/2059	
	00/00/0000	बुध	04/11/2011	केतु	04/11/2026	शुक्र	07/10/2036	सूर्य	25/09/2053
	00/00/0000	केतु	31/10/2012	शुक्र	04/01/2028	सूर्य	07/10/2037	चंद्र	26/03/2054
	00/00/0000	शुक्र	01/09/2015	सूर्य	11/05/2028	चंद्र	08/06/2039	मंगल	01/08/2054
	31/07/2000	सूर्य	07/07/2016	चंद्र	10/12/2028	मंगल	07/08/2040	राहु	26/06/2055
सूर्य	11/05/2001	चंद्र	07/12/2017	मंगल	08/05/2029	राहु	08/08/2043	गुरु	13/04/2056
चंद्र	10/12/2002	मंगल	04/12/2018	राहु	26/05/2030	गुरु	08/04/2046	शनि	26/03/2057
मंगल	19/01/2004	राहु	22/06/2021	गुरु	02/05/2031	शनि	07/06/2049	बुध	31/01/2058
राहु	25/11/2006	गुरु	28/09/2023	शनि	10/06/2032	बुध	07/04/2052	केतु	07/06/2058
गुरु	07/06/2009	शनि	07/06/2026	बुध	07/06/2033	केतु	07/06/2053	शुक्र	08/06/2059

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/06/2059		07/06/2069		07/06/2076		07/06/2094		08/06/2110	
07/06/2069		07/06/2076		07/06/2094		08/06/2110		00/00/0000	
चंद्र	07/04/2060	मंगल	03/11/2069	राहु	18/02/2079	गुरु	26/07/2096	शनि	11/06/2113
मंगल	06/11/2060	राहु	22/11/2070	गुरु	14/07/2081	शनि	06/02/2099	बुध	19/02/2116
राहु	08/05/2062	गुरु	29/10/2071	शनि	20/05/2084	बुध	15/05/2101	केतु	30/03/2117
गुरु	07/09/2063	शनि	07/12/2072	बुध	07/12/2086	केतु	21/04/2102	शुक्र	30/05/2120
शनि	07/04/2065	बुध	04/12/2073	केतु	26/12/2087	शुक्र	20/12/2104	सूर्य	01/08/2120
बुध	07/09/2066	केतु	02/05/2074	शुक्र	25/12/2090	सूर्य	08/10/2105		00/00/0000
केतु	08/04/2067	शुक्र	02/07/2075	सूर्य	19/11/2091	चंद्र	07/02/2107		00/00/0000
शुक्र	07/12/2068	सूर्य	07/11/2075	चंद्र	20/05/2093	मंगल	14/01/2108		00/00/0000
सूर्य	07/06/2069	चंद्र	07/06/2076	मंगल	07/06/2094	राहु	08/06/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 10 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के तृतीय चरण में वृष लग्न के उदय काल हुआ था। जन्मकाल के समय ही मिथुन के नवमांश में कन्या द्रेष्काण भी उदित था। इस विन्दु पर जन्म के फलस्वरूप आपका जीवन सुखद, आरामदायक धन धान्य से पूर्ण आनंददायक जीवन व्यतीत होने की संभावनाओं का भी सृजन हुआ है।

आप व्यक्तिगत रूप से कठिन श्रम की भावना से समर्पित प्राणी हैं। आप अपने उद्य `श्यित कार्य को यथार्थता के साथ स्पष्ट रूप से संपादित करेंगे।

आप धन-धान्य की प्रर्याप्त प्राप्ति हेतु समझ से पूर्व नियत स्थान पर पहुंचने का निर्णय करेंगे। परंतु आप अपनी यह धारणा ग्रहण करें कि अतिरिक्त विकास एवं पूर्ण सफलता प्राप्ति हेतु अपने उद्देश्य का संपादन कर लेंगे। वास्तव में आपके लिए आकस्मिक रूप से मात्र आलस्यपूर्ण प्रवृत्ति का त्याग करना ही उत्तम होगा।

आप पहले से ही धन की महत्ता से परिचित हैं। आप कठिन श्रम एवं दुरुह रास्ते से धनोपार्जन करेंगे तथा धन के व्यय पर सतर्क भी रहेंगे। आप निश्चित रूप से बहुत उत्तम प्रकार के भौतिक सुख प्राप्ति हेतु, धनकोष का संग्रह करेंगे।

आप वित्तीय विषयक किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सा सामंजस्य नही करेंगे।

आप अत्यंत धन संचय करने के लिए लोभ की पराकाष्ठा तक पहुंचे हुए प्राणी हैं। आप में पूर्ण विश्वसनीयता विद्यमान हैं। आप किसी का धन अनीतिपूर्ण ढंग से नही प्राप्त करना चाहते बल्कि आप धन प्राप्ति के लिए उपयुक्त सुअवसर पर ऐसा कार्यान्वयन करते हैं। क्योंकि सत्य तो यह है कि आप धन प्राप्ति संबंधी योजनाओं को सांसारिक रीति से बुद्धिमत्तापूर्वक समर्पित भाव से कार्य रूप देते हैं। साथ ही अन्य लोगों को भी धन प्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन करते हैं।

आप किसी के साथ छेड़खानी करना या किसी पर आक्रमण करने पर विश्वास नही करते। आप एक आस्तिक प्राणी हैं। आप अपनी स्पष्ट वादिता पूर्वक संतोषजनक सफलता या, निकटता हेतु किसी को भी तरजीह देते हैं। परंतु जब कोई किसी भी समय या अवसर पर कोई शत्रुता पूर्वक आप से इर्ष्या करता है तो आप उसके प्रगति के पथ पर अवरोधक उत्पन्न करने का प्रयास करते हैं। आपका प्रदर्शन बाधा पूर्ण एवं विध्वांसात्मक रूप से व्यवधान कारक हो जाता हैं अस्तु आप अपने धैर्य को सीमा के बाहर जाने के लिए सतर्क रहें। अर्थात् अपने धैर्य का संतुलन बनाए रक्खें।

आप स्वाभाविक रूप से यांत्रिक कला में दक्ष एवं परिश्रम तथा समुचित खोजकर अपने लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्राणी हैं। आप सामान्यतया प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु उपयुक्त हैं। यथा होटल प्रबंधक, अथवा सौंदर्य प्रसाधित व्यवसाय आदि तथा आपकी रूचि साहित्यिक भावनानुसार हो, तों आप उच्च कोटि के लेखक भी हो सकते है यदि आप में लेखन कला एवं क्षमता विद्यमान हो। यद्यपि आप मध्यम कद के ऊंची कंधे वालें, उभरी छाती, उन्नत ललाट एवं

चमकीली आखों से युक्त सुंदर व्यक्तित्व के जीव हैं। आप से विपरीत योनि के प्राणी (स्त्री) आकर्षित रहेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन अति आनंददायक साथ-साथ कठिन एवं कोई न कोई आर्थिक समस्याओं से सदैव युक्त रहेगा। साथ ही आपका पारिवारिक जीवन सुव्यवस्थित रहेगा। आप अपने नजदीकी और प्रियजनों को यथेष्ठ प्यार और सम्मान देंगे। आप अपने गले के रोग एवं टोनशील रोग के प्रति रक्षात्मक भावना रक्खें तथा कफ जनित तथा शीत प्रकोप से गले में होने वाले कष्ट तथा रोगों एवं पैरों की सूजन तथा दर्द की रक्षा हेतु सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अंक 2 तथा 8 अंक लाभदायक है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्यागनीय है। इसी प्रकार लाल रंग भी आपके लिए प्रतिकूल है। जबकि, आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग हरा, सफेद एवं गुलाबी रंग है।